हम तो पहले ही यूं मज़े में थे,
यह माया किस लिए मांग ली
हमें दर्दों गम का पता न था,
ये जुदाई किस लिए मांग ली

1-तेरे इश्क की मस्ती में मस्त,
रहते थे हम शामो सहर
तेरी नज़रों में हम कैद थे,
रिहाई किस लिए मांग ली

2-कभी जमुना जी में झीलना,
कभी सैर की सुखपाल में
थी बहारें तेरे कदम तले,
ये खिजायें किस लिए मांग ली

3- जितने रूहों के तन पिया,
उतने ही तेरे रंग वहां
सुख लेते थे पिया आपका,
ये तन्हाई किस लिए मांग ली

Nijanand App